

फर्द अहकाम

(नियम-13)


(General Rule (Civil), Rule 103, Appendix 'B' Form No.91)

अज अदालत- उपखण्ड अधिकारी मुकाम- डीडवाना

प्रार्थी:- राज्य सरकार जरिए तहसीलदार डीडवाना, जिला डीडवाना-कुचामन राज0।
बनाम्

अप्रार्थीगण :- अयुब खां पुत्र आलमशेर खां जाति पठान निवासी डीडवाना तहसील डीडवाना वगै0।

किस्म मुकदमा- राजस्व प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 177 R.T.Act. संख्या...15/2024 सन्-2024

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए।
19.11.2024	<p>प्रार्थी राज्य सरकार जरिए तहसीलदार डीडवाना, जिला डीडवाना-कुचामन राज0 ने यह प्रार्थना-पत्र विरुद्ध अप्रार्थीगण अयुब खां पुत्र आलमशेर खां जाति पठान निवासी डीडवाना तहसील डीडवाना वगै0 के पेश किया। प्रार्थना-पत्र दर्ज रजिस्टर हो।</p> <p>स्थगन पर प्रार्थी तहसीलदार डीडवाना को सुना गया तथा रेकर्ड का अवलोकन किया। रेकर्ड के अवलोकन करने, तर्कों पर मनन करने तथा प्रार्थी के शपथ-पत्र पर विश्वास करते हुए, अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि, वे आगामी आदेश तक सरहद अमरपुरा पटवार हल्का दादूबासनी के खसरा नम्बर 747/197 की भूमि में मौका व राजस्व रेकर्ड की यथास्थिति बनाये रखें एवं किसी प्रकार का बैचाण नही करेगें व उपपंजीयक डीडवाना पंजीयन की कार्यवाही नही करेगें। अप्रार्थीगण को कोई उज्र एतराज हो तो असालतन/वकालतन न्यायालय में उपस्थित होकर पेश करें।</p> <p>अप्रार्थीगण को तलब होकर पत्रावली दिनांक 24.12.2024 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;"><i>ideas</i></p> <p style="text-align: center;">24/12/24</p> <p style="text-align: center;">पत्रावली पेश हुई। श्री गान् P.O. सा अधकार/अन्य कार्य/दौरे पर पधारे है। मिसल दिनांक 01/1/25 को पेश हो।</p>	
08/1/2025	<p>पत्रावली पेश हुई।</p> <p>राज. पेंशनकार उपस्थित।</p> <p>अप्रार्थीगण की तरफ से वकील की जग गुजार मोर नई</p> <p>वकालतनामा व पत्रावली तथा सूचि के अनुसार इत्यादि कार्य</p> <p>पेश किए जा रहे हैं।</p> <p style="text-align: right;"><i>xxccv</i></p>	

XXXX

प्रार्थना का पत्र उपरोक्त को सुना गया व देवर्षि का अलोकन किया

राज. वैदिक का कथन है कि अनाधीनता से स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है। इस लिए अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है।

अनाधीनता का अर्थ है कि अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है। अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है। अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है।

उपरोक्त अलोकन के अनुसार राज. वैदिक का अर्थ है कि अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है। अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है।

अनाधीनता / अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है। अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है। अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है।

उपरोक्त अलोकन के अनुसार राज. वैदिक का अर्थ है कि अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है। अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है।

निर्णय सुनाया गया।

प्रकाशनी के तहत अनाधीनता से ही स्वतंत्रता की प्राप्ति का अर्थ है।

उपरोक्त अलोकन
दीखाना